

19⁰¹ 22 आठ पत्रवली काही काय आदिपत्रा

उपलब्ध होवून प्र.पत्र प्रसूत कर प्रकाश
में रानीगमा ही जाली के काय प्रकाश
की कायवाणी श्राप कर्ने वीर मिर्का
कने पर वेरी में ली गली। पाठी के
किर्कडन कने पर वाड-कन विरु श्राप
जाने की अनुमति ही जाली के वाड काही
इनी हार पर श्रापिल किना जाता है
पत्रवली प्रेसाल में शुमार होकर श्रापिल
होता है

उपखण्ड आंध्रप्रादेश
नागसिंहनगर

L.I.
Nathoram

January 19

5/12

